वर्ष - 2023
माह - अप्रैल

स्वावलंबन

(शैक्षिक शोध संग्रह)

प्रथम संस्करण

ICT
वेबिनार
MDM
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
किताबें
TLM
संस्कृति प्रोत्साहन
प्रतियोगिता
जन सहयोग
खेल कूद

मनीष देव

बच्चों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने हेतु एक सफल प्रयास

अरूण कुमार प्रजापति (स.अ.)
*उच्च प्राथमिक विद्यालय–**कैथाना***
मोतिगरपुर सुल्तानपुर (उ.प्र.)

प्रस्तावना :– सरकारी योजनाएँ जनहित में होती है समाज का कोई भी वर्ग उस दायरे मे आने पर उक्त योजना का लाभ उठा सकता है। कक्षा 8 में अध्ययनरत सरकारी विद्यालयों के समस्त वर्ग हेतु छात्रवृत्तियाँ निम्नलिखित है। **मैंने ब्लॉक के 35 छात्रों को राष्ट्रीय आय एंव योग्यता आधारित छात्रावृत्ति कराने में सुगमताकर्ता की भूमिका निभाई।**

NMMSE,क नजर में :– यह योजना सन् 2008 में प्रारम्भ हुई भी लेकिन लाभान्वित हुई जाकर वर्ष 2009 से।

कौन आवेदन कर सकता है :–जो छात्र/छात्राएँ सरकारी/सहायता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययन कर रहे है वही इस फार्म को आवेदित कर सकते है।

आवेदन कैसे किया जा सकता है :– ऑनलाइन निःशुल्क

ऑनलाइन निःशुल्क सुल्तानपुर जनपद का विवरण

क्रमांक	वर्ष	कुल आवेदन	परीक्षा में सम्मिलित छात्र	उत्तीर्ण
1	2022	147	120	47
2	2023	989	902	200

बड़े–बड़े शिक्षाविदों व विचारकों का मानना है। कि हर बच्चे में उतनी ही संभावित संभावनाए होती है। जितना किसी बुद्धि होती बुद्धि चेतना के उच्चतम शिक्षा पर प्राप्त हुए किसी विशिष्ट इंसान में होता है।

आप सभी को इस बात का अनुभव तो है ही कि हम अध्यापकों का कार्य सहज रूप से आसान नहीं है। बच्चों को स्कूल मे आकर सिर्फ पुस्तकों की ज्ञान भरी बातें बताना नहीं है इसलिए आसान नहीं है। क्योंकि हम सभी को सबसे पहले इन बच्चों को कक्षा तक बुलाना होता है। फिर उन्हें मानसिक रूप से सहज बनाकर कक्षा मे उपस्थित रखना होता है जो सबसे कठिन कार्य है।

ब्लाक मोतिगरपुर, जनपद सुल्तानपुर मे मेरे प्रयास द्वारा **NMMSE 2023** में निम्नलिखित विवरण में सुगमताकर्ताएवं मार्गदर्शन का कार्य किया गया।

क्र. सं.	विद्यालय का नाम	प्रकार	परीक्षा मे सम्मिलित	उत्तीर्ण	अन्य
			GN OBC SC योग	GN OBC SC योग	–
1	उ.प्रा.वि. कैथाना	परिषदीय	01 16 09 26	01 036 02 06	–
2	उ.प्रा.वि. खनुहट	परिषदीय	02 06 16 24	00 01 06 07	–
3	उ.प्रा.वि. छिदुआरी	परिषदीय	04 10 05 198	00 01 02 03	–
4	उ.प्रा.वि. वि. दियरा	परिषदीय	03 05 03 11	01 00 03 04	–
5	उ.प्रा.वि. वि. मोतिगरपुर	परिषदीय	07 06 08 21	00 01 00 01	–
6	उ.प्रा.वि. राघवपुर	परिषदीय	04 09 07 20	01 01 01 03	–
7	उ.प्रा.वि. वि. हांसापुर	परिषदीय	01 02 02 05	01 00 00 01	–
8	उ.प्रा.वि. वि. आलापुर	परिषदीय	01 00 00 01	01 00 00 01	–
9	उ.प्रा.वि. वि.	परिषदीय	02 00 02	02 00 02	–

	मैनेपारा		04	04	
10	उ.प्रा.वि. वि. खड़सरा	परिषदीय	00 01 00 01	01 00 00 01	—
11	उ.प्रा.वि. वि. हमजाबाद	परिषदीय	00 01 00 01	00 01 00 01	—
12	उ.प्रा.वि. वि. हाईस्कूल पाण्डेबाबा	परिषदीय	02 00 00 02	01 00 00 01	—
13	उ.प्रा.वि. वि. नानेमऊ	परिषदीय	02 00 00 02	01 00 00 01	—
	योग		**27 57 54 138**	**08 10 17 35**	—

उपरोक्त आँकड़ों से यह पता चलता है। कि अभी भी उत्तीर्ण छात्रों का 240 के सापेक्ष काफी कम है मेरा मनना है कि ज्ञान या शिक्षा प्राप्त करने के लिए एकाग्रता एवं समर्पण पर्याप्त तो होता है किन्तु जिस विभाग में हम सभी संलग्न हैं वहाँ बच्चे बहुत अलग–अलग सामाजिक परिवेश से आते है। कुछ के घर में पढ़ाई का महत्व शून्य के बराबर होता है क्योंकि उनके समाज में घर परिवार में इसके प्रति जागरूकता नहीं, कुछ की पारिवारिक जिम्मेदारियां होती हैं कि वह समय से कक्षा में नहीं आ पाते हैं। लाख प्रयास के बावजूद जब हमें असफलता प्राप्त होती है तो हमें ऐसे ही उदाहरण की आवश्यकता होती है। जिससे समाज के आम जनमानस, शिक्षा को अनुपयोगी समझने वालो में भी उम्मीद का दीया जला सकें।

सुगमकर्ता के रूप मे क्या किया :– दो बार कक्षा 8 के छात्रों को नवोदय विद्यालय कक्षा 9 हेतु प्रवेश परीक्षा दिलवाई, जिसमें असफलता ही हाथ लगी। पुनः संज्ञान में आया कि हमारे मार्गदर्शकों में श्री सन्तोष कुमार खरे एवं श्री शैलेन्द्र शंखधार अध्यापक का ओतप्रोत **NMMSE** का पैगाम जो मुझे अच्छा लगा। वर्ष 2022 मे परीक्षा दिलवाई हमारे **UPS** कैथाना से अकेले 8 बच्चे उत्तीर्ण हो सकते है। तो मार्गदर्शको से प्रेरित

होकर 10 से 12 विद्यालयों के मध्य में मैने एक मकान किराया पर लिया। बताना_चाहूँगा किऐसा जुनून मैंने इसलिए किया कि रोज क्षण–प्रतिक्षण का भय सताता रहता था कि सेवा काल के 17 साल बीत गये कहीं ऐसा तो नहीं कि यह ईश्वर प्रदत्त अमूल्य शरीर निरर्थक नष्ट हो जाए, मैंने सोचा चलो अब जीवन सार्थक होगा। बच्चों के लिए कुछ नया करते है। मुझे छुट्टियाँ वर्ष भर में मात्र 14 ही मिलती है। छुट्टियाँ लेकर मैंने UPS विद्यालयों का भ्रमण किया। पहुँचकर विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों से अपनी बात कहता था, उन्हें अच्छा लगता था। वे सभी लोग इस मुहिम से जुड़ने हेतु तैयार हो गए। अब आयी बात कि अकेले अरूण प्रजापति 10–12 विद्यालयों के छात्रों को कैसे संभाल पाएगा, लेकिन मैं कभी–कभी ध्यान नहीं देता था कि श्री सन्तोष खरे अध्यापक का आर्शीवचन मेरे साथ है। छुट्टियों में खरे जी से बात किया करता था, उन्होंने मॉडल पेपर भेजकर मेरा कार्य बेहद आसान कर दिया। मैंने वर्ष 2022–2023 के 35 छात्रों को उत्तीर्णांक पर ले जाने में 10 से 12 मॉडल टेस्ट पेपर की फोटो कॉपी निकलवायी, एक साथ एक स्थान पर 5 से 6 विद्यालयों के छात्र Revision/Test में प्रतिभाग करते थे। कुल मॉडल टेस्ट की PDF निकलवानें में मैनें 15 से 20 हजार रूपये खर्च किया।एक स्थान पर 60–70 छात्र टेस्ट देते थे। एक मॉडल Test Paper को 60 सेट बनवाया करता था। आज वो छोटा सा खर्च और तिनके सी परेशानी हमारे ब्लॉक के 35 + 8= 43 छात्रों के जीवन में रोशनी जरूर जगा पायेगा। बताना चाहूँगा कि प्रत्येक मॉडल टेस्ट का अध्यापन सर्वप्रथम मैं खुद करता था, तत्पश्चात् बच्चों में बाँटकर उसका Revision कराता था। मेरे मित्रगण सहयोग कम करते थे। उक्त कार्य में परिवार भी रूष्ट, यानी नाराज ही रहता था। उन सभी लोगों का कहना था कि स्कूल टाइम के बाद या छुट्टियाँ लेकर क्यों करते हैं। मुझे मालूम है किर UPS खनुहट के 7 बच्चे उत्तीर्ण है, उनमें से 2 बच्चेऐसे थे जिनकी 4 या 5 वर्ष बाद पढाई छूट जाती या उनकी शादी कर दी जाती जो जीवन से मरहूम हो जाते।

मुझे पता है **35** छात्रों का उत्तीर्ण होना आने वाले समय में भविष्य में इस पूरे ब्लाक के बच्चों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनकर हमेशा उत्साहवर्धन करता रहेगा। निश्चित रूप से हमारे विभाग में बहुत ही मेहनती, कर्मठ अध्यापक हैं जो विभिन्न क्षेत्रों में अपना योगदान दे रहे है।

मेरा व्यक्तिगत मत है कि शिक्षा व्यवस्था इस रूप में संचालित हो जहाँ हम सभी अपनी पुरानी पीढ़ियों से जो भी ज्ञान समझ प्राप्त किया है, उसको आने वाली पीढ़ी को, बच्चों को किस प्रकार सहज, आसान एवं कम से कम समय में इस ज्ञान का, समझ को प्रदान कर सके, वही शिक्षा व्यवस्था की सार्थकता है मेरा मानना है कि, बच्चों को एवं उनके अभिभावकों को शिक्षा का महत्व, उनमें होने वाले फायदे से अवगत कराया जा सके तो निश्चित रूप से पठन–पाठन में शिक्षा क्षेत्र में नई क्रांति लाई जा सकती है। उदाहरण आप सभी के सामने है, जहाँ बच्चों ने, उनके अभिभावकों ने बहुत ही सक्रियता से इस अभियान को नई ऊँचाई प्राप्त करने में तत्परता दिखायी है।

सर्वविदित है कि टॉपर छात्र उसी चीज को अलग ढंग से करता है। रणनीति और नियति सही होनी चाहिए। मैने ईश्वर में अटूट विश्वास रखकर नन्हें–मुन्हें बच्चों को श्री सन्तोष खरे अध्यापक द्वारा प्रदान की गयी NMMSE Book भी उपलब्ध करवायी। मैंने उन्हें 4 घण्टे तक निःशुल्क शिक्षा दी। उनका निशुल्क फार्म लगभग 140 छात्रों का Online करवाया। उनके आधार को request करके विद्यालय की प्रवेश पंजिका से Mismatch दुरूस्त करवाया। अभिभावकों से लगातार सम्पर्क बनाया। घर पर उनके भाई–बहनों का सहयोग लिया ताकि परिवार के सभी लोग छात्र–छात्रों को घर पर गाइड कर सकें। परीक्षा केन्द्र तक ले जाने और ले आने की जिम्मेदारी निभायी। अन्य अनेक परेशानियाँ जो व्यक्तिगत तौर पर आयी, विभागीय को पूर्व में उत्तीर्ण (2022 में) **8 छात्रों के व्यक्तिगत खातों में 8 x 12000 = 96000/–** रूपये खाते में आये थे। उनके अभिभावकों एवं छात्रों की प्रतिक्रिया को यानी उमंग या जोश को व्यक्त करना मुश्किल है। Man is a social

animal इसी कारण समाज सःशक्त होना जरूरी है।एक अच्छा समाज, अच्छा जीवन पाने के लिए मानव ने हमेशा संघर्ष किया है।

संघर्ष के पश्चात् परिणाम का स्वाद अविस्मरणीय होता है। हर जीव को चाहिए की वो सफलता हेतु संघर्ष करे और उसे बसंत की बहार अवश्य प्रदान की जायेगी। अन्त में ब्लाँक को सुल्तानपुर में Top पर ले जाने में सभी मार्गर्शकों, शिक्षको एवं अभिभावकों का बहुत बहुत आभार। इस आशा के साथ कि आने वाले भविष्य में मेरा जीवन इसी तरह के और कार्य करता रहे, मैं इसी को अपने जीवन की सार्थकता मानता हूँ।

स्त्रोत- इंटरनेट एवं अन्य